

FOURTH SEMESTER (SCHEME - 2006)
MODERN OFFICE MANAGEMENT
STENOGRAPHY - II (HINDI)

Time : One Hours

Maximum Marks : 100

- नोट : i) गद्यांश 300 शब्दों का है जिसे 60 शब्द प्रति मिनट की गति से 5 मिनट में डिक्टेशन देना है।
 ii) अनुवाद टापाइटर/कम्प्यूटर से करना है।
 iii) प्रश्न-पत्र परीक्षा उपरांत ही विद्यार्थियों में बाँटा जाये।

शिक्षा की प्रगति और देश की बेकारी को मामूली तौर पर देखकर कहा जाता है कि पढ़े-लिखे युवकों की दशा अच्छी हो ही कैसे सकती है। एक तो शिक्षित युवकों की भरभार और दूसरे व्यापार, उद्योग-धन्धों और नौकरी की गिरी हालत बेकारी की भारी जटिल समस्या बनाये है, एक तो यह है ही इसकी खेती की बरबादी // यदि 90 प्रतिशत किसान जो गाँवों में रहते हैं उनकी दशा देखकर हम कह सकते हैं। कि यदि खेती तथा देशी व्यापार आदि में किये जाने योग्य सुधार शीघ्र न किये गये तो ऐसा न हो कि कुछ दिनों के बाद देश में आतंकवाद की लहर उड़ पड़े। इसमें सन्देह नहीं है कि कांग्रेस

1 मि.

मंत्रिमण्डलो ने तो कुछ किया है वह जहाँ-तहाँ हो सका है किसानों की भलाही के लिये किया है। और इसमें सन्देह करने भी कोई आवश्यकता नहीं है कि जितने समय के लिये वे नियुक्त किये गये यदि उतने समय तक रह गये तो देश के बड़े-बड़े सवाल हल करने का भरसक प्रयत्न होगा आजकल सिर्फ शिक्षा के होने या न होने कुछ // खास मतलब नहीं किन्तु सबसे बड़ी बात तो यह है कि पढ़े-लिखे लोग और बेकार न बैठ न पावे क्या हम नहीं कह सकते कि बेकारी का संबंध देशी व्यापार से है। जिसकी जिम्मेदारी सरकार पर बहुत अधिक है, क्या हम नहीं कह सकते कि विदेशी सरकार से इस विषय में कुछ नहीं हो सकता, यथार्थ में मैं कह // देना चाहता हूँ कि हमारे औद्योगिक और व्यापार चलन का कारण हमारी दासता है। अतः सब से बड़ी बात यह है कि देश स्वतंत्र हो यदि तुमने जापान की उन्नति को देख लिया है। जर्मनी के उत्थान को समझ लिया है। तो क्या कम कह सकते हो कि दासता की ब्रेडियों से मुक्त भारत भी देश की बेकारी अशिक्षा आदि छोटे-छोटे सवालों को हल न कर सकेगा।

2 मि.

3 मि.

4 मि.

5 मि.

885